आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 17 (प्रति रविवार) इंदौर, 14 जनवरी से 20 जनवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ाने के पाकिस्तानी मंसूबे नाकाम करेंगे सुरक्षाबल

राजौरी-पुंछ सेक्टर में सेना का ऑपरेशन सर्वशक्ति

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ाने के पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने के मकसद से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सर्वशक्ति की शुरुआत की है। इसमें भारतीय सेना पीर पांजाल माउंटेन रेंज के दोनों साइड सक्रिय आतंकियों का खात्मा करेगी। इस ऑपरेशन को उधमपुर में सेना हेडक्वार्टर और सेना की उत्तरी कमान की कड़ी निगरानी में शुरू किया गया है।

हाल ही के दिनों में पाकिस्तान के प्रॉक्सी आतंकी ग्रुप्स (पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से संचालित होने वाले आंतकी ग्रुप) ने पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में विशेष रूप से राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश की है।

पीर पंजाल में बीते पांच महीने में हुए आतंकी हमलों में करीब 20 भारतीय

सैनिकों की जान गई है। सबसे हालिया हमला 21 दिसंबर 2023 को डेरा की गली इलाके में हुआ था, जिसमें 4 जवान शहीद हुए थे।

सुरक्षा बलों ने बताया- खुफिया तंत्र मजबूत कर रहे- सुरक्षा बलों के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि ऑपरेशन सर्वशक्ति पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ आतंकियों का सफाया करने के लिए चलाया जाएगा, जहां श्रीनगर का चिनार कॉर्प्स और नगरोटा के व्हाइट नाइट कॉर्प्स भी अपने-अपने ऑपरेशंस को अंजाम देंगे। सूत्रों ने ये भी बताया कि इस ऑपरेशन के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और खुफिया एजेंसियां आपस में मिलकर काम करेंगी। क्षेत्र में खुफिया तंत्र को भी मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। खासकर राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवादी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के पाकिस्तानी मंसूबों को विफल किया जाएगा। राजौरी-पुंछ सेक्टर में और अधिक सैनिकों को भेजा जा रहा है।

ऑपरेशन सर्पविनाश की तर्ज पर होगा- ये ऑपरेशन सर्पविनाश की तर्ज पर होने की उम्मीद है। ऑपरेशन सर्पविनाश 2003 में आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करने के लिए शुरू किया गया था। इस दौरान क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां लगभग खत्म हो गई थीं।पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने उत्तरी कमान के साथ कोर कमांडरों के साथ आतंकी खतरे से निपटने के तरीकों पर बातचीत की थी। सुरक्षा बलों ने एजेंसी को बताया ऑपरेशन सर्वशर्वक्ति पीर पंजाल माउंटेन रेंज के दोनों सिरों से होगा।

अमित शाह से बैठक के बाद बनाया प्लान- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल,सेना, खुफिया एजेंसियों की एक सुरक्षा बैठक के तुरंत बाद ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आतंकियों के खिलाफ एक्शन के लिए जम्मू और कश्मीर में सेना के टॉप ऑफिसर्स के साथ बैठक की थी।

मणिपुर से शुरू हुई कांग्रेस की न्याय यात्रा

राहुल बोले- पीएम यहां आंसू पोछने नहीं आए, ये शर्म की बात

इंफाल (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मणिपुर के थौबल से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत की। यात्रा से पहले राहुल गांधी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर में भाई-बहन, माता-पिता आंखों के सामने मरे और आज तक हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री मणिपुर में आपके आंसू पोछने, गले मिलने नहीं आए। ये शर्म की बात है।

उधर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राहुल की यात्रा को

लेकर संदेह जताया। सीएम ने कहा, राज्य में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, क्या यह रैली आयोजित करके राजनीति करने का समय है?

यह वास्तव में भारत तोड़ो यात्रा है, न कि भारत जोड़ो यात्रा है। हमें संदेह है कि राहुल ने इसमें गड़बड़ी की है। वे जब भी आते हैं तो दिक्कत हो जाती है। इस बार मणिपुर अलर्ट पर है। राहुल के साथ अशोक गहलोत, सचिन पायलट, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा और राजीव शुक्ला जैसे कई सीनियर नेता मणिपुर पहुंचे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों को कवर करेगी। इसमें राहुल 6700 किमी का सफर तय करेंगे। यात्रा 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी।

माफी याचिका पर फैसले में देरी पर दिल्ली-सरकार को फटकार, सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते का समय दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी गफूर समेत 114 दोषियों की ओर से दायर माफी याचिका पर निर्णय लेने में देरी पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। गफूर को देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के मामले में उम्रकैद हुई है। उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वह 16 साल की सजा काट चुका है। इस आधार पर उसकी समय से पहले रिहाई की जाए। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने की। बेंच ने 14 साल से अधिक सजा काट चुके उम्रकैद के दोषियों की माफी याचिका स्वत- खारिज करने के लिए राज्य सरकारों को फटकार लगाई।

इंडियन हाई कमिश्नर से मीटिंग के बाद राष्ट्रपति ऑफिस ने कहा- यही मुइज्जू सरकार की नीति

भारत 15 मार्च तक सैनिक निकाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आधिकारिक तौर पर भारत को अपने सैनिक हटाने के लिए 15 मार्च तक का समय दिया है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए मालदीव के प्रेसिडेंट ऑफिस के प्रवक्ता अब्दुल्ला नजीम इब्राहिम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- भारतीय सैनिक मालदीव में नहीं रह सकते। राष्ट्रपति मुइज्जू और उनकी सरकार की यही नीति है।

मालदीव के मीडिया ने वहां की सरकार के हवाले से बताया कि मालदीव में फिलहाल 88 भारतीय सैनिक मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच सैनिकों को हटाए जाने से जुड़ी बातचीत के लिए हाई-लेवल कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी से रविवार को मालदीव के विदेश मंत्रालय के साथ पहली बैठक की। इस मीटिंग में भारत के हाई कमिश्नर मुनू महावर भी मौजूद रहे।

अभी तक विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कॉप28 में कहा था कि भारत सरकार ने मालदीव में मौजूद अपने सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा था- भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। भारत ने सैनिकों को वापस बुलाने पर सहमति जताई है। डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए भी एक हाई लेवल कमेटी गठित करने पर भी सहमति बनी है।

भारत ने मालदीव को 2010 और 2013 में दो हेलिकॉप्टर और 2020 में एक छोटा विमान तोहफे के तौर पर दिया था। इस पर मालदीव में काफी हंगामा हुआ। मुइज्जू के नेतृत्व में विपक्ष ने तत्कालीन राष्ट्रपति सोलिह पर इंडिया फर्स्ट नीति अपनाने का आरोप लगाया था।

भारत का कहना है कि उपहार में दिए गए विमान का इस्तेमाल खोज-बचाव अभियानों और मरीजों को लाने के लिए किया जाना था। मालदीव की सेना ने 2021 में बताया था कि इस विमान के संचालन और उसकी मरम्मत के लिए भारतीय सेना के 70 से ज्यादा जवान देश में मौजूद हैं।इसके बाद मालदीव के विपक्षी दलों ने इंडिया आउट अभियान शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि भारतीय सुरक्षा बल के जवान मालदीव छोड़ें।

संपादकीय

भारत न्याय यात्रा और देवड़ा का इस्तीफा

भारत न्याय यात्रा शुरू होने के ठीक पहले कांग्रेसी नेता, मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र में 55 साल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल होने का फैसला किया है। पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ दी है।कांग्रेस छोड़ने का कारण यह बताया जा रहा है, कि इंडिया गठबंधन मे सीटों के समझौते में मुंबई दक्षिण की सीट शिवसेना की खाते में जा रही थी। यहां से शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद के पास है। पिछले चुनाव में मिलिंद देवड़ा उनसे चुनाव हार गए थे। देवड़ा को कांग्रेस से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिल सकता था।जिसके कारण उन्होंने कांग्रेस और कांग्रेस की विचारधारा को छोड़कर, जिस राजनीतिक दल जिस व्यक्ति से अभी तक वह लड़ते हुए आ रहे थे। उसी के पास जाने का फैसला कर लिया। पिछले कई दिनों से आशंका व्यक्त की जा रही थी,कि मिलिंद देवड़ा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं। मिलिंद देवड़ा और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के बीच बहुत अच्छे दोस्ताना संबंध भी थे। मिलिंद देवड़ा के पिताजी मुरली देवड़ा ताजीवन कांग्रेस में रहे। उनके निधन के पश्चात राहुल गांधी और सोनिया गांधी परिवार का स्नेह मिलिंद देवड़ा को मिलता रहा है। इस परिवार को कांग्रेस की विचारधारा का परिवार माना जाता है। मिलिंद देवड़ा दक्षिण मुंबई संसदीय सीट से सांसद भी रह चुके हैं। देवड़ा के स्तीफे से स्पष्ट है कि राजनीतिक दलों में अब विचारधारा का कोई स्थान नहीं रहा। सत्ता पाने के लिए नेता कपड़े की तरह राजनीतिक दलों और विचारधारा को बदलने में अब कोई परहेज नहीं करते हैं। राजनीतिक दलों का अस्तित्व अब मात्र लाभ और हानि के आधार पर देखा जाने लगा है।मिलिंद देवड़ा के इस्तीफा से यह स्पष्ट हो गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। उसमें इंडिया गठबंधन की ओर से दक्षिण मुंबई की लोकसभा सीट शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को मिलना तय था। वर्तमान सांसद शिवसेना ठाकरे गुट के हैं। ऐसी स्थिति में केवल टिकट के लिए मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़कर शिंदे गुट में जाने का फैसला किया है। शिवसेना में दो फाड़ होने के बाद एक गुट का नेतृत्व उद्धव ठाकरे कर रहे हैं। दूसरे गुट का नेतृत्व एकनाथ शिंदे कर रहे हैं। दक्षिण मुंबई की सीट भारतीय जनता पार्टी समझौते में एकनाथ शिंदे गुट को देने जा रही है। इसी कारण मिलिंद देवड़ा ने एकनाथ शिंदे की पार्टी को ज्वाइन करने का निर्णय लिया है। इसमें भाजपा की भी सहमति बताई जा रही है। मुंबई दक्षिण के मतदाता मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़कर शिंदे गुट में आने को पसंद करते हैं,या नहीं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद ही पता लगेगा। मिलिंद देवड़ा ने ऐसे समय पर कांग्रेस से इस्तीफा दिया है। जब राहुल गांधी मणिपुर से अपनी न्याय यात्रा की शुरु कर रहे थे। मिलिंद देवड़ा के भारतीय जनता पार्टी में जाने के कयास लगाए जा रहे थे। एकनाथ शिंदे का गुट एनडीए और भाजपा का घटक दल है। माना जा रहा है, कि सीटों के बंटवारे को देखते हुए उन्हें राहुल गांधी, जिस दिन से यात्रा शुरू करने जा रहे थे। उसी दिन इस्तीफा देने के लिए उन्हें कहा गया। ताकि राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा में पलीता लगाया जा सके।यह पलीता राहुल गांधी के मित्र मिलिंद देवड़ा ने लगा दिया है। जिसके कारण सारे देश में मिलिंद देवड़ा के इस्तीफा की चर्चा हो रही है। इस स्थिति पर इतना तो तय है, कि व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अब नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। राजनीतिक विचारधारा एवं व्यक्तिगत संबंधों का कोई महत्व अब रिश्तो में नहीं रहा।

श्रीराम के निमंत्रण को ठुकराने की अपरिपक्व राजनीति

ललित गर्ग

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों ने शामिल नहीं होने का निर्णय लेकर जहां अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है, वहीं भारत के असंख्य लोगों की आस्था एवं विश्वास को भी किनारे करते हुए आराध्य देव भगवान श्रीराम को राजनीतिक रंग देने की कुचेष्ठा की है। भले ही यह भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्चस्व का अनुष्ठान है, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा देते हुए कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहते हुए समारोह में भाग लेना चाहिए था। राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने खुद अपनी जमीन को खोखला करने की ठान रखी है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि! निश्चित ही कांग्रेस अब भारत की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को नकार रही है, वह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए जा रहे हर फैसले भारत विरोधी शक्तियों को बल देने, कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने, जातीयता एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति को कायम रखने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार देने का ही द्योतक है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम केवल हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि राष्ट्र का उत्सव है। साथ ही देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का महा-अनुष्ठान है।

बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल आक्रांताओं ने तलवार के बल पर हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन ही नहीं कराया बल्कि हिन्दु मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों को ध्वस्त किया था। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम को भी नहीं छोड़ा गया और हजारों मंदिरों को?ध्वस्त कर उनके स्थान पर मस्जिदें बनवा दीं गयी। आजादी के बाद इस गौरवमय धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को पुनर्निर्मित करने का काम होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस शासन ने संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा नहीं होने दिया। आज भाजपा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता एवं ऐतिहासिक भूलों को सुधारने काम कर रही है तो उसे राजनीतिक रंग देना मानसिक दिवालियापन एवं राष्ट्र-विरोधी सोच है। श्रीराम मंदिर राजनीति का विषय नहीं है बल्कि आस्था का विषय है। आस्था हर व्यक्ति की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। राम लला साढ़े पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। अब वह समय आ गया है, भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिन राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित रहेंगे। श्रीराम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, भारत की राजनीति के लिये वे प्रेरणास्रोत है, उन्हें केवल भाजपा या आरएसएस का बताने वाले भारत की जनआस्था से स्वयं को ही दूर कर रहे हैं, स्वयं को हिन्दू विरोधी एवं राम-विरोधी होने का आधार ही मजबूत किया है। अच्छा होता निमंत्रण ठुकराने की बजाय इस समारोह में उपस्थित होकर श्रीराम के प्रति एवं असंख्य लोगों की आस्था का सम्मान करते। इस तरह एक जीवंत परम्परा को झुठलाने एवं ठुकराने के निश्चित ही आत्मघाती दुष्परिणाम होंगे।

श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस ने सदैव श्रीराम मंदिर आंदोलन से दूरी बनाकर रखी, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में रोड़े अटकाए और जिसने सर्वोच्च न्यायालय में यह हलफनामा दिया हो कि श्रीराम का कोई अस्तित्व नहीं है, श्रीराम एक काल्पनिक पात्र हैं, उस कांग्रेस के नेताओं से यह अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है कि वे श्रीराम मंदिर निर्माण के महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक प्रसंग में उत्साह, उमंग एवं आनंद के साथ शामिल होंगे? कांग्रेस के इस निर्णय से हिन्दू मन के कांग्रेसी नेता अवश्य ही आश्चर्यचकित एवं दुःखी हैं। कांग्रेस के भीतर से ही कई नेताओं ने खुलकर यह कहने की हिम्मत दिखायी है कि ÷मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम हमारे आराध्य देव हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारतभर में अनगिनत लोगों की आस्था इस नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को उस खास तरह के बयान से दूरी बनाए रखनी चाहिए और जनभावना का दिल से सम्मान करना चाहिए।'' यहां प्रश्न यह भी है कि जब मंदिर निर्माण को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया था, तो अब वे इसे केवल भाजपा का पार्टीगत मामला क्यों मान रही है? वास्तव में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल केवल एक ही तरीके से भाजपा को इससे होने वाले राजनीतिक लाभ को कम कर सकते है और वह तरीका शालीनता से इस समारोह में भाग लेना और इस बात पर जोर देना है कि श्रीराम सभी के हैं, उन पर किसी एक पार्टी या नेता का एकाधिकार नहीं है। लेकिन एक तरफ न्यायिक प्रक्रिया का स्वागत करना और दूसरी तरफ उद्घाटन-समारोह का न्योता ठुकराना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाली रणनीति है। भले ही कांग्रेस ने सारे नफा-नुकसान को देखकर अपनी धर्मनिरपेक्ष वाली वैचारिक छवि के साथ खड़ी रहने का फैसला लिया हो, लेकिन इस फैसले से सन्निकट खड़े लोकसभा चुनाव में उसे भारी नुकसान ही होगा। वैसे भी श्रीराम के बहुप्रतीक्षित धाम का निर्माण भाजपा का अपना निजी प्रोजेक्ट नहीं है, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निष्पत्ति है और इसीलिए यह एक गैर-राजनीतिक घटना है। मंदिर-निर्माण की देखरेख के लिए न्यायिक रूप से स्वीकृत ट्रस्ट का गठन किया गया था और वही उद्घाटन-कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहा है।

भाजपा को श्रीराम मन्दिर बनने का राजनीतिक फायदा मिलना स्वाभाविक भी है। मंदिर निर्माण का बीड़ा भाजपा-संघ ने दशकों से उठा रखा था। शायद जब आडवाणी ने 1990 में रथ यात्रा शुरू की, तब इसकी प्रेरणा आस्था और राजनीति दोनों रही होगी, क्योंकि पार्टी को 1984 की अपमानजनक हार से उबारने के लिए एक मजबूत भावनात्मक मुद्दे की जरूरत थी। लेकिन आज इस भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा तब की जा रही है, जब पार्टी बहुमत से सत्ता में है और उसका नेतृत्व नरेंद्र मोदी जैसे करिश्माई नेता कर रहे हैं। यह स्वाभाविक ही है कि इसका लाभ भाजपा को मिलेगा, खासकर तब जब उद्घाटन चुनावों की पूर्व संध्या पर किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन दलों के रुख पर ताज्जुब है। वास्तव में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का जोर तो श्रीराम पर भाजपा के बराबर ही दावा करने पर होना चाहिए था। उन्हें पुरजोर तरीके से कहना चाहिए था कि मंदिर-निर्माण उन सभी लोगों की जीत है, जो श्रीराम में विश्वास करते हैं, ताकि उसका श्रेय लेने के भाजपा के उद्देश्य को कमजोर किया जा सके। दार्शनिक एवं राजनीतिक दृष्टि से भी ऐसा करना उचित ही होता। निमंत्रण ठुकराने के निर्णय के बाद कांग्रेस हिन्दुओं की सहानुभूति पूरी तरह खो सकती है। देखना होगा कि 'राम के निमंत्रण' को ठुकराने के कांग्रेस के निर्णय को हिन्दू समाज किस तरह लेता है। बाकी तो 'होई वही जो राम रचि राखा'। विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेता आज भी इस प्रकार के बयान इसलिए दे रहे हैं ताकि श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महाउत्सव में किसी-न-किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाए। इसी संदर्भ में वे शंकराचार्यों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति को लेकर वितंडावाद खड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं, लेकिन हिन्दू समाज इन सब बातों को कुतर्क एवं विपक्षी नेताओं की हताशा-निराशा मानकर अनदेखा कर रहा है। हिन्दू आस्था एवं उजालों पर कालिख पोतने एवं उन्हें कमजोर करने की चेष्ठाओं के दिन अब लद चुके हैं, इसलिये कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के दलों को अपनी राजनीति जमीन को सुदृढ़ करने के लिये अपनी संकीर्ण एवं पुरातन सोच को बदलना चाहिए।

दूसरे पति ने खोली दो और बॉयफ्रेंड की पोल

कोर्ट ने भरण-पोषण की मांग खारिज कर महिला को सिखाया सबक

इंदौर। इंदौर में फेमेली कोर्ट ने एक महिला को मेंटनेंस मांगने की बात पर सबक सीखा दिया। उसकी मांग यह कहते हुए खारिज कर दी कि महिला ने पहली अरैंज मैरिज की उसे तलाक नहीं दिया, उसके दो-दो बॉयफ्रेंड हैं और बैंक बैलेंस भी।

महिला अपनी पहली शादी (अरैंज मैरिज) के आठ दिन बाद ही इंदौर आकर रहने लगी। यहां वह कोचिंग जाने लगी। जहां उसने पहचान के बाद एक अन्य युवक से लव मैरिज कर ली। पहले पति को तलाक नहीं दिया और जिससे लव मैरिज की उसे पहली शादी के बारे में नहीं बताया।

इतना ही नहीं प्रेमी के साथ लव मैरिज के बाद वह उसके दो बॉयफ्रेंड और बने। इस बीच पति से विवाद बढ़ा तो उसने दहेज प्रताड़ना, किडनैप और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज करा दिया। पति ने न केवल उसके बॉयफ्रेंड की हिस्ट्री निकाली बल्कि ये भी पता लगाया कि उसके दो बैंक अकाउंट हैं। इस आधार पर कोर्ट ने पत्नी की मेंटेनेंस की मांग को खारिज कर दिया है।

रानी उर्फ माला (परिवर्तित नाम) ने फैमिली कोर्ट में साल 2018 में याचिका दायर की। पति से भरण-पोषण (मेंटेनेंस) मांगते हुए कोर्ट को बताया कि आर्य समाज इन्दौर में उसने निर्मल साहू (परिवर्तित नाम) से लव मैरिज की थी। दो साल पहले अप्रैल 2016 में आर्य समाज पद्धति से दोनों की शादी हुई थी।

शादी के बाद गर्भवती होने पर पति निर्मल ने अबॉर्शन करवा दिया और परिवार से दूर जगजीवन राम नगर इन्दौर में अलग कमरे में रखता रहा। ससुराल जाने पर महिला ने शिकायत की कि ससुराल वालों ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया। वे पति की दूसरी शादी करना चाहते हैं बदले में मुझसे 25 लाख रुपए मांग रहे हैं।

महिला ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले मुझसे गाली-गलौज करते हैं, हमारी लव मैरिज के शादी के सबूत मांगते हैं, चेहरे पर तेजाब फेंकने और हत्या करने की धमकी देते हैं। रानी ने बताया कि वह अब ससुराल से अलग पिता के पास रहती है। कोई काम नहीं करती है। पिता पर आश्रित है और किराए के मकान में रहती है। पति जनरल स्टोर का मालिक और प्रॉपर्टी ब्रोकर है। पति के अनेक मकान व बैंक लॉकर हैं। इन सब तर्कों को रखते हुए रानी ने 30 हजार रुपए हर महीने मेंटेनेंस मांगा।

रानी ने खंडवा में 2014-15 में महेश से अरेंज मैरिज की। वह यहां केवल 8 दिन ही रही और मायके लौट आई। इसके बाद रानी माता-पिता के साथ काम की तलाश में इंदौर आ गई। यहां पढ़ाई के दौरान रानी की कोचिंग में निर्मल से दोस्ती हुई। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने 21 अप्रैल 2016 को लव मैरिज कर ली। रानी के पिता मजदूरी करते थे। इसके बाद रानी की मां ने सुसाइड कर लिया और पिता खरगोन लौट गए। रानी दूसरे पति निर्मल के साथ किराए के मकान में नंदा नगर में रहने लगी। अब तक निर्मल ने रानी को अपने परिवार से दूर ही रखा था।

रानी ने कोर्ट को बताया कि पति निर्मल ने उससे कहा था कि परिवार को शादी की बात नहीं बताई है। समय देखकर वो सब कुछ घरवालों को बता देगा। रानी ने कोर्ट को बताया कि कुछ समय बाद वह गर्भवती हुई। निर्मल ने कहा बहन की शादी के बाद परिवार से बात करेंगे। यह कहकर रानी का अबॉर्शन करवा दिया। रानी ने बताया कि बहन की शादी के बाद पति निर्मल उसे जीजा और बहन से मिलवाया।

रानी ने कोर्ट में यह भी कहा कि सितंबर 2017 में पति निर्मल के परिवार को शादी का पता चला। विरोध के बावजूद 18 अप्रैल 2018 को पार्टी रखी। जिसमें कई रिश्तेदार शामिल हुए।

सेवालाल सेतु फ्लाय ओवर कार्य मंत्री ने किया निरीक्षण

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माणधीन (फूटी कोठी चौराहे) पर संत सेवालाल सेतु पर फ्लाय ओवर कार्य के अन्तर्गत ,प्रथम गर्डर लांचिंग कार्य का पूजन एवं निरीक्षण सोमवार मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राधिकरण अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, महापौर इंदौर पुष्यमित्र भार्गव क्षेत्र की विधायक मालिनी गौड़, एमआईसी सदस्य राकेश जैन एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर विकास प्राधिकरण एवं इंदौर नगर निगम के विकास कार्यों से संबंधित किसी भी विषय की स्वीकृति में कोई भी देरी किए बिना स्वीकृत की जाएगी। आपने बताया कि शहर में विकास कार्यों जैसे महू नाका ब्रिज एवं शहर के अन्य हिस्सों में विकास कार्यों को गति देने के लिए हर संभव मदद शासन स्तर पर की जावेगी।

करीब 1 महीने बाद नगर निगम पोर्टल अधूरा शुरू

संपत्ति और जलकर का पोर्टल अभी भी शुरू होना बाकी

इंदौर। करीब 1 महीने बाद नगर निगम का पोर्टल फिर से शुरू हो गया है। हालांकि की अभी पूर्णतया शुरू नहीं हो पाया है। नगर निगम का पोर्टल ई-नगर पालिका भोपाल के माध्यम से संचालित होता है। 21 दिसंबर से ई-नगर पालिका पोर्टल पूरी तरह तप पड़ा है। बताया जा रहा है कि इसे हैक किया गया था, इन सबके चलते नगर निगम को संपत्ति कर वसूली में बड़ी परेशानी आ रही है। मुश्किल से पोर्टल पिछले दो-चार दिनों में चालू हुआ है, लेकिन सेवाएं करीब 10 से 12 ही शुरू हो पाई है, लेकिन अभी भी संपत्ति और जल कर राशि का पोर्टल बंद पड़ा है। ऐसे में नगर निगम वसूली के मामले में पिछड़ रहा है। निगम द्वारा 1 जनवरी के बाद जमा होने वाले संपत्ति व जलकर समेत कर पर पांच से लेकर 15 फीसदी तक पेनल्टी लगाई जाती है। दिसंबर माह में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें पुराने करदाता शुल्क जमा करने पहुंचे थे। इसके बाद अन्य करदाता भी निगम कार्यालय विभिन्न कर जमा करवाने पहुंचे थे, लेकिन मध्य प्रदेश का ई नगर पालिका पोर्टल ही ठप हो गया, जिसके कारण निगम को लाखों रुपए का राजस्व प्राप्त नहीं हो पाया। पोर्टल ठप होने के कारण संपत्ति, जलकर समेत अन्य कर जमा नहीं हो पा रहे हैं। इतना ही नहीं, भवन निर्माण की अनुमति के लिए कई नक्शे अटक गए हैं। निगम अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि आई नगर पालिका भोपाल के अधिकारियों से चर्चा हुई थी, तो उन्होंने आगामी दो-चार दिनों में पोर्टल पूरी तरह शुरू होने की बात कही है।

वीर शहीदों का सम्मान सच्ची राष्ट्र पूजा

इंदौर। वीर शहीदों का सम्मान सच्ची राष्ट्र पूजा है। राष्ट्र के वीर भारतीय सैनिक के शौर्य समर्पण त्याग बलिदान के कारण ही देश का हर नागरिक चैन की नींद सोता है और देश सुरक्षित रहता है हम वीर शहीद सैनिकों को स्मरण कर भारत के नागरिक गौरवान्वित हैं। उक्त विचार संस्था सेवा सुरभि के तत्वावधान में एवं जिला प्रशासन, नगर पालिक निगम, पुलिस प्रशासन, इंदौर विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में जारी झंडा ऊंचा रहे अभियान के तहत अमर जवान ज्योति प्रतिकृति पर पुष्प और पुष्पमाला अर्पित आयोजन एवं संविधान की जानकारी संबंधी प्रचार सामग्री वितरण करते हुए देहदानी स्वर्गीय सतीश कारोले स्मृति समिति के संयोजक स्वतंत्रता सेनानी पुत्र श्री सत्यनारायण मिमरोट समिति के पदाधिकारी और सदस्यों की उपस्थिति में व्यक्त किया कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति की प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती शीला सतीश कारोले ने की विशेष अतिथि के रूप में समिति के संरक्षक एडवोकेट लीलम कुमार डोहरिया और कृष्ण कुमार सबलनीय उपस्थित हुए

कैंसर मरीजों को नया जीवन जीवन देने का काम कर रहे-डॉ. बिहाणी

इंदौर। कैंसर को भले ही आज असाध्य रोग नहीं कहा जाता हो, लेकिन खतरनाक रोग जरूर है और यदि किसी को मुंह और गले का कैंसर हो जाए तो उसका जीवन दूभर हो जाता है। ऐसे मरीजों को नया जीवन देने का काम कर रहे हैं कैंसर सर्जन डॉ.अमय बिहाणी, जो वर्तमान में एलआईजी चौराहा स्थित एसपीजी कैंसर हॉस्पिटल में अपनी सेवाये दे रहे है। मुंबई के टाटा मेमोरियल सीनियर हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दे चुके डॉ. बिहाणी ने ऐसे ऐसे मुंह और गले के ऑपरेशन भी किए जब मरीज मरनासन्न स्थिति में पहुंच जाते है, उसे कैंसर की चौथी स्टेज कहते हैं। इस स्टेज में मुह में बड़े बड़े छाले हो जाते है और गले में गठाने हो जाती है। इस स्थिति मे कैंसर मरीज ना ढंग से बोल पाता और न कुछ खाने की स्थिति में रहता है। ऐसे मरीजों की सर्जरी भी सफलतापूर्वक करते है। डॉ. बियाणी हर साल औसतन मुंह और कैंसर के करीब 500 ऑपरेशन करते है और ओपरेशन के लिए मरीज प्रदेश के विभिन्न शहर और गांवों के अलावा बाहरी प्रदेशों से भी आते है। मरीजो के साथ मधुर व्यवहार और मिलन सारिता रखने वाले डॉ. अमय बिहाणी कहते हैं जीवन शैली में बदलाव की वजह से बीमारियां बढ़ रही है, जो लोग अधिक पान , गुटका, पाउच खाते हं, अधिक स्मोकिंग करते हैं।

सिंहस्थ 2028 से पहले क्षिप्रा नदी की शुद्धि के लिये कार्य योजना तैयार करें- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सिंहस्थ की प्लानिंग में साधु-संतों का परामर्श लें, कान्ह नदी के गंदे पानी को रोकने की सुविचारित प्लानिंग करें

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिंहस्थ 2028 के मददेनजर क्षिप्रा नदी का पानी स्वच्छ निर्मल एवं आचमन योग्य बनाने के लिये इंदौर, उज्जैन एवं देवास के संबंधित अधिकारियों को क्षिप्रा नदी को साफ रखने की कार्य योजना तैयार करें। गंदे पानी को रोकने के लिए जगह-जगह स्टॉप डैम बनाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव आज उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 के विकास कार्य एवं क्षिप्रा शुद्धिकरण के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होने इंदौर एवं उज्जैन संभाग के संभागायुक्तों एवं कलेक्टर्स को कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर महाकाल लोक फेस-3 के कार्यों की भी शुरूआत की जायेगी। उन्होंने क्षिप्रा के उद्गम से लेकर समाप्ति स्थल तक घाटों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की विस्तृत कार्ययोजनाएं बनाने का निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि देश का सबसे बड़ा कुंभ मेला सिहस्थ 12 वर्ष में एक बार उज्जैन में आयोजित होता है जब सिंह राशि में बृहस्पति प्रवेश करते हैं। मेले में साधु, संत, महामंडलेश्वर, गणमान्य नागरिक एवं आम श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। सिंहस्थ का आयोजन न केवल उज्जैन बल्कि देश के लिए एक गौरवशाली क्षण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के अलावा सिंहस्थ मेले का इंदौर, देवास,

ओंकारेश्वर दादा धुनी वाले, पशुपतिनाथ मंदिर, बगलामुखी मंदिर में भी सिंहस्थ मेले का विस्तार रहता है। सभी जगह आम जनता की सहभागिता रहती है । जब श्रद्धालु आए तो मेले में गौरव का अनुभव करें। सिहस्थ 2028 की प्लानिंग साधु संतों की सलाह पर करने और उनके परामर्श से ही कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कान्ह नदी का गंदा पानी क्षिप्रा में रोकने के लिए बनाई गई 99 करोड़ रुपए की डायवर्जन प्लानिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार में ही ऐसी योजना बनायें कि क्षिप्रा का जल पीने और आचमन योग्य बन जाए। गलत प्लानिंग के लिये अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत केंद्र सरकार से क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए आवश्यक बजट की मांग की जाएगी । उन्होंने अधिकारियों को केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय से संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त करने को कहा।

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि हमेशा की तरह इस बार भी सिंहस्थ मेला गौरवशाली सनातन परंपरा के अनुसार आयोजित किया जायेगा। इसके लिए क्षिप्रा नदी शुद्धिकरण के साथ ही उज्जैन के महाकाल मंदिर तक जाने के लिए सड़क मार्ग चौड़ीकरण, मंदिर तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की प्लानिंग, पावर स्टेशन, हवाई पट्टी विस्तार, संग्रहालय, यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि के भी विकास कार्य पूरा किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए भी वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वाहन पार्किंग एवं शुद्ध पेयजल तथा ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी की जाएगी।

सिंहस्थ 2028 में 12 करोड श्रद्धालुओं का अनुमान- बताया गया कि सिंहस्थ 2028 में 12 करोड श्रद्धालुओं का अनुमान है। इसके लिए सभी मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी। इंदौर में क्षिप्रा नदी में नालो का गंदा पानी रोकने के लिए 9 स्टॉप डैम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 9 स्टाप डैम वहां-वहां बनाए जाएगे जहां-जहां गंदे नाले का पानी क्षिप्रा में मिल रहा है। विभिन्न देवस्थानों, वाल्मीकि घाट, सिद्धवट, काल भैरव, सिद्धनाथ आदि के घाटों का भी विस्तार होगा। जहां-जहां संत रहते हैं उन घाटों का विस्तार प्राथमिकता से किया जाएगा, एवं मेला क्षेत्र में भी आवश्यक मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी ।

भीड़ नियंत्रण पर प्रभावी कार्रवाई के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल मंदिर के अलावा राम जनार्दन मंदिर, सिद्धनाथ, काल भैरव जहां सेटेलाइट टावर है, वहां भी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक प्लान बनाए जाएंगे। डॉ यादव ने कहा की एक ही सड़क पर भीड़ का भार डालना उचित नहीं है, इसके लिए चार से पांच वैकल्पिक मार्ग भी बनाए जाएंगे। उन्होंने प्रमुख चौराहों का सौदर्यीकरण करने, हरि फाटक ब्रिज के चौड़ीकरण, के भी निर्देश दिए।

गैस राहत अस्पतालों के और बेहतर संचालन के प्रयास किये जायें: मंत्री डॉ. शाह

मंत्री डॉ. शाह ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग की समीक्षा की

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. विजय शाह ने मंत्रालय में भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा की। डॉ. शाह ने विभाग के अधीन गैस राहत के सभी 6 अस्पतालों को और अधिक बेहतर संचालन के लिये व्यापक प्रयास किये जायें। इसके लिये अन्य शासकीय अस्पतालों से भी समन्वय कर उनकी विशेषज्ञ सेवाएँ ली जायें। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग श्री मो. सुलेमान, संचालक गैस राहत श्री राकेश श्रीवास्तव, सुश्री संजना जैन सहित अन्य सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि विभाग द्वारा गैस प्रभावितों को मुख्यतः चिकित्सा सुविधा, सामाजिक संबल सहित अन्य जरूरी सुविधाएँ देने के प्रयास किये जाते हैं। इन प्रभावितों के आर्थिक स्वाबलंबन के प्रयास भी विभाग द्वारा किये जा रहे है। गैस प्रभावितों के आर्थिक स्वाबलंबन के लिये मंत्री डॉ. शाह ने निर्देश दिये कि गैस प्रभावित परिवारों के बच्चों को पैरामेडिकल एवं नर्सिंग कोर्सेस करायें जाए, इससे उन्हें रोजगार भी मिलेगा और वे स्वाबलंबी बन सकेंगे। बताया गया कि यूनियन कार्बाइड परिसर में रासायनिक कचरे के निष्पादन की कार्यवाही प्रगति पर है। कचरा निष्पादन के लिये भारत सरकार से विभाग को 126 करोड़ रूपये मिलने है। बैठक में यूनियन कार्बाइड परिसर से रासायनिक कचरे के निष्पादन के उपरांत स्वच्छ भूमि, कलेक्टर भोपाल एवं लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग को देने पर भी विचार किया गया। बताया गया कि विभाग के पास कुल 664 बिस्तरों की संख्या वाले 6 चिकित्सालय है। जिसमें गैस प्रभावितों का ही ईलाज किया जाता है। 9 डे-केयर यूनिट एवं 9 आयुष औषधालय भी है। अल्ट्रामार्डन उपकरण भी है, इनके जरिये कुल 164 प्रकार की पैथोलॉजी जांचे की जाती हैं।

लोक परिसम्पत्तियों के त्वरित प्रबंधन के लिये विधिक सलाहकार भी रखे जायें- मंत्री डॉ. शाह ने लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक में मंत्री डॉ. शाह ने निर्देश दिये कि लोक परिसम्पत्तियों के त्वरित प्रबंधन के लिये विधिक सलाहकार नियुक्त किये जायें, जो किसी शासकीय सम्पत्ति के कानूनी पक्षों को बेहतर तरीके से रखें। इससे सम्पत्ति के प्रबंधन में प्रक्रियागत तेजी आयेगी। बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनिरूद्ध मुखर्जी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विभाग ने 67 परिसम्पत्तियों को प्रबंधन किया है। वित्त वर्ष 2023-24 में 398 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया है। अगले 100 दिनों में विभाग ने 102 करोड़ रूपये राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू में अनुभूति शिविर का आयोजन

भोपाल। वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में प्रथम शिविर आयोजित किया गया। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नाथूबरखेडा भोपाल के 84 विद्यार्थियों एवं 04 विद्यालयीन स्टाफ सहित कुल 88 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में श्री ए.के. खरे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक डॉ. एस.आर वाघमारे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक उपस्थित रहे। कैम्प का संचालन सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा ने किया।

श्री विजय नंदवंशी बायोलॉजिस्ट एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। शिविर में सम्मिलित हुये प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बैग, केप, पठनीय सामग्री, स्टीकर, पेन, ब्रोशर, वैच प्रदान किये गये। शिविर के प्रारंभ में मैं भी वाघ गीत, प्रतिभागियों ने गाया। विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण एवं वन, वन्यप्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई तथा जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। इस अवसर पर श्री राज गौड को कागज की सहायता से सबसे तेजी से बाघ का कटआउट बनाने पर विशेष रूप से पुरस्कार किया गया। स्पॉट क्विज में प्रथम शुभी माली द्वितीय रितिका सिगरोले एवं तृतीय प्रशांत जाटव रहे। विद्यार्थियों को वन्यप्राणियों को कैसे रेस्क्यू किया जाता है. इसके सम्बंध में रेस्क्यू वाहन के माध्यम से रेस्क्यू टीम ने अवगत कराया। कार्यक्रम में विश्व प्रकृति निधि भारत की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की संचालक श्रीमती संगीता सक्सेना ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं को औषधीय पौधों सम्बंधी जानकारी म.प्र. राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा प्रदाय किये गये सेम्पल के माध्यम से दी गई। कार्यक्रम के अंत में शिविर में सम्मिलित बच्चों को शपथ दिलाई और पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र वितरण किये गये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिन्दी में एमबीबीएस की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि हिन्दी में एमबीबीएस का संचालन मध्यप्रदेश के छात्रों के लिये महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप छात्रों को उनकी ही भाषा में उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु यह अभिनव प्रयास किया गया है। यह गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश हिन्दी भाषा में एमबीबीएस की शिक्षा प्रदान करने वाला पहला राज्य है। मेडिकल पाठ्यक्रम को पढ़ाये जाने वाली 16 भाषाओं में अब हिन्दी भी शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में हिन्दी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम संचालन संबंधी कार्यक्रम की समीक्षा की।

जनवरी अंत तक हिन्दी लिप्यंतरण द्वितीय एवं तृतीय चरण का कार्य हो जाएगा पूर्ण- बैठक में बताया गया कि अब तक प्रथम वर्ष के तीनों विषयों की पाठ्यपुस्तकें हिन्दी में उपलब्ध करा दी गयी हैं। द्वितीय एवं तृतीय चरण में आगामी वर्षों की पाठ्यपुस्तकों का हिन्दी लिप्यंतरण कार्य प्रगतिरत है। उल्लेखनीय है कि हिन्दी लिप्यंतरण कार्य के द्वितीय एवं तृतीय चरण में 12 विषयों की 13 पुस्तकों में से 9 पुस्तकें हिन्दी भाषा में उपलब्ध हो गयी हैं। शेष 4 पुस्तकें भी जनवरी माह के अंत तक पूर्ण कर ली जायेंगी।

हिन्दी भाषा से एमबीबीएस पहल, छात्रों के लिए लाभप्रद सिद्ध हो रही है- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिन्दी भाषा में एमबीबीएस पाठ्यक्रम का लाभ ले रहे छात्रों के फीडबैक के संबंध में जानकारी प्राप्त की। लगभग 10 प्रतिशत विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पाठ्यपुस्तकों का लाभ ले रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आगामी सत्र से अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी प्रश्नपत्र तैयार करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। हर मेडिकल कॉलेज में हिन्दी प्रकोष्ठ 'मंदार' का गठन किया गया है।

चिकित्सकों को समय से इनसेंटिव और दवाओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करें- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय, सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल आदि में चिकित्सकों को इनसेंटिव और अन्य हितलाभ समय से उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें। दवाओं एवं अन्य कंज्यूमेबल की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सुनियोजित योजना बनाये। इन कार्यों के लिए बजट उपलब्धता प्राथमिकता से कराई जाए।

हमीदिया में कैथ लैब संचालन की व्यवस्था करें- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हमीदिया में कैथ लैब संचालन की समस्या पर संज्ञान लेते हुए निर्देश दिये कि शीघ्र संचालन की व्यवस्था करें। बैठक में अवगत कराया गया कि नई बिल्डिंग में कैथ लैब संचालन के लिए स्थान दिया गया है। जब तक नया ओपीडी ब्लॉक नहीं बनता तब तक कैथ लैब यहीं संचालित की जायेगी। जल्द ही लैब की शिफ्टिंग भी की जायेगी।अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मो. सुलेमान, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरुण श्रीवास्तव, प्रोफेसर श्वसन चिकित्सा विभाग एवं राज्य नोडल अधिकारी हिन्दी प्रकोष्ठ डॉ. लोकेंद्र दवे, अधीक्षक हमीदिया एवं विषय नोडल हिन्दी प्रकोष्ठ डॉ. आशीष गोहिया सहित एसोसिएट प्रोफेसर ईएनटी विभाग और विषय नोडल हिंदी प्रकोष्ठ डॉ. यशवीर जेके, उप कुलसचिव एवं राज्य समन्वयक हिन्दी प्रकोष्ठ श्रीमती अमृता बाजपेयी तथा सलाहकार हिन्दी प्रकोष्ठ चिकित्सा शिक्षा श्रीमती रागिता अग्निहोत्री उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के 500 सीटर छात्रावास बनेंगे

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने विभागीय कार्य-योजना में शामिल करने के दिये निर्देश

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिये प्रमुख नगरों में छात्रावास बनाये जायेंगे। इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज जिन नगरों में शुरू हुए हैं, वहाँ पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को 500 सीटर छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा। छात्रावास निर्माण कराने के कार्य को विभाग की आगामी 5 वर्षों की कार्य-योजना में शामिल किया गया है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर निवास कार्यालय में 100 दिवसीय और 5 वर्षीय विभागीय कार्य-योजना पर अधिकारियों के साथ चर्चा कर रही थीं। श्रीमती गौर ने कहा कि 100 दिवसीय कार्य-योजना में ऐसे कार्यों को शामिल किया जाये, जिन्हें अगले 100 दिन में पूरा किया जा सके। उन्होंने उज्जैन में निर्माणाधीन पिछड़ा वर्ग के 100 सीटर कन्या छात्रावास के निर्माण को अगले 100 दिन में पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी कार्य-योजना के आधार पर प्रस्ताव तैयार करें। केन्द्र सरकार से प्रस्ताव स्वीकृत कराने के लिये पहल की जायेगी। कार्य-योजना में पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण के विभिन्न कार्यों को शामिल किया गया। बैठक में सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री स्वतंत्र कुमार सिंह और उप सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री नारायण नामदेव और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिर्फ बिल्डिंग बनाना नहीं रोजगारमूलक प्रशिक्षण देना है मुख्य उद्देश्य

कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने की समीक्षा

भोपाल। सिर्फ बिल्डिंग बनाना नहीं रोजगारमूलक प्रशिक्षण देना है विभाग का मुख्य उद्देश्य। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने यह बात विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में कार्य कर विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

श्री टेटवाल ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क एवं 10 संभागीय आईटीआई का निर्माण कार्य तय समय-सीमा

में पूरा करें। वर्तमान एजेंसी द्वारा कार्य समय से नहीं करने पर दूसरी एजेंसी को कार्य देने पर विचार करें। विश्वकर्मा योजना का सरलीकरण करें, जिससे अधिक से अधिक हितग्राही इसका लाभ उठा सकें। श्री टेटवाल ने विभागीय संरचना की समीक्षा करते हुए कहा कि रिक्त पदों की भर्ती जल्द करें।

स्किल, स्केल और स्पीड तर्ज पर काम करें- श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीन एसएसएस के सूत्र स्किल, स्केल और स्पीड की तर्ज पर विभाग काम करे, जिससे स्किल इंडिया मिशन में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका बने। मध्यप्रदेश को स्किल इंडिया के हब के रूप में विकसित करना है। विभाग के कार्यों को गति देने के लिये जहाँ से भी तकनीकी सहयोग मिल सकता है, उसे लेने के लिये कार्ययोजना बनाएँ। बैठक में अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार श्री मनु श्रीवास्तव ने विभागीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस रणनीति के साथ काम हो: परिवहन मंत्री श्री सिंह

भोपाल। परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि सड़क सुरक्षा को मजबूत करके दुर्घटनाओं को कम से कम किया जा सकता है। इसके लिये उन्होंने ठोस रणनीति के साथ काम करने के निर्देश दिये। परिवहन मंत्री श्री सिंह मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अन्य राज्यों के परिवहन विभाग के अधिकारी और ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद थे। परिवहन मंत्री श्री सिंह ने कहा कि अन्य राज्यों में परिवहन के क्षेत्र में जो श्रेष्ठ कार्य हो रहे है, उन्हें मध्यप्रदेश में लागू किया जा सकता है। केरल के परिवहन विभाग के अधिकारियों ने उनके राज्य में लागू ई-चालान व्यवस्था की जानकारी दी।

ग्रामीण सड़कों के ब्लेक स्पॉट्स की पहचान एवं परिशोधन की कार्यवाही जरूरी: ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के कार्यों की मंत्रालय में समीक्षा

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआरआरडीए) के कार्यों की समीक्षा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तन्वी सुंद्रीयाल ने एमपीआरआरडीए के कार्यों की जानकारियों से पॉवर प्रजेंटेशन द्वारा अवगत कराया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की शेष रही आबादी की रोड कनेक्टिविटी के लिये सभी आवश्यक प्रबंध करेंगे। मंत्री श्री पटेल ने कनेक्टिंग सड़कों पर ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना वाले क्षेत्रों में ब्लेक स्पॉट्स की पहचान और परिशोधन की कार्यवाही प्रभावी होना जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने निर्माण कार्यों के क्वालिटी कंट्रोल सिस्टम की जानकारी भी ली। बैठक में विभागीय उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में भी अवगत कराया गया। बैठक में एमपीआरआरडीए द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों के बारे में अवगत कराया गया। दिक्कतों के निराकरण के सुझावों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिये सभी स्तर पर समग्र प्रयास किये जायेंगे।

रानी मुखर्जी के बयान से सोशल मीडिया पर मचा बवाल हुई ट्रोल

हिंदी सिनेमा जगत की शानदार और सफल एक्ट्रेस की लिस्ट में रानी मुखर्जी का नाम आता है। आदित्य चोपड़ा की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर बेहतरीन फिल्में दी हैं। रानी फिल्मों में अब कम ही नजर आती हैं परंतु वह किसी ना किसी बात को लेकर खबरों में जरुर आ जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें वह हिंदी सिनेमा को लेकर बयान दे रही हैं।

रानी मुखर्जी ने दिया हिंदी सिनेमा को लेकर बयान- दरअसल रानी मुखर्जी का एक बयान सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। जहां एक वर्ग रानी के समर्थन में आया है, तो वहीं दूसरा वर्ग अभिनेत्री की क्लास लगाते देखा जा रहा है। एक टीवी प्रोग्राम के साथ हाल ही में एक बैठक के दौरान, रानी ने फिल्म निर्माता पृथ्वी कोनानूर के उस बयान के जवाब में टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा था कि जहां तक विचारों का सवाल है, ईरानी सिनेमा भारतीय फिल्मों से बेहतर है। रानी की प्रतिक्रिया को एक्स पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रानी मुखर्जी के हस्तक्षेप करने से पहले, पृथ्वी कोनानूर ने कहा था,- मैं लोगों से ईरानी फिल्में देखने के लिए कहता हूं। उन्हें देखें। आप हमारी फिल्मों और उनकी फिल्मों के बीच एक बड़ा अंतर देख सकते हैं। मुझे लगता है कि किसी कारण से, हम वास्तव में ईरानी सिनेमा से बहुत पीछे हैं। यह एक ईमानदार राय है। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे ईरानी फिल्में देखें और देखें कि वे विचारों के मामले में कितनी उन्नत हैं, शायद तकनीक के मामले में नहीं, लेकिन विचारों के मामले में वे कहां हैं।

बेबी डॉल कहे जाने पर भड़की अनन्या पांडे

अपने स्टाइल गेम में जलवा बिखेरने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को शहर में स्पॉट किया गया। 'खो गए हम कहां' की अभिनेत्री ने ठंड और बारिश के साथ उलझे हुए मौसम के बीच गर्मी का माहौल दिखाया। अनन्या को सफेद फ्लोरल हॉल्टर-नेक ड्रेस पहने देखा गया।

अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट करते हुए उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए। हालांकि, जब कोई शटरबग उसे बेबी डॉल कहता है तो वह टिप्पणी को नजरअंदाज कर देती है और तस्वीरों के लिए मुस्कुराती रहती है।

2024 की शाहरुख खान साबित होंगी दीपिका पादुकोण

पिछले साल 2023 में दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'पठान' से खाता खोला था। फिल्म जबरदस्त हिट भी साबित हुई थी। लेकिन, शाहरुख ने एक साल में ही तीन-तीन ब्लॉकबस्टर देकर बॉक्स ऑफिस को हिला दिया था। उनकी फिल्म 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' का क्रेज अबतक बरकरार है। अब इस साल दीपिका पादुकोण भी किंग खान बनने के रास्ते पर निकल पड़ी हैं। जी हां, दीपिका 2024 में एक या दो नहीं बल्कि पांच फिल्में लेकर आ रही हैं।

फाइटर

साल की शुरुआत दीपिका पादुकोण एक्शन मोड में करेंगी। ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पहली बार फाइटर में स्क्रीन शेयर करेंगी। ये फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होने वाली है। लेकिन, इस फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपए है। बता दें कि शाहरुख खान की फिल्म पठान 240 करोड़ रुपए के बजट में बनकर तैयार हुई थी।

सिंघम अगेन

वहीं, दूसरे नंबर पर 'सिंघम अगेन' है। इसमें दीपिका पादुकोण पुलिस अफसर बन लोगों को एंटरटेन करेंगी। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही सिंघम के सीक्वल में दीपिका का बेबाक लुक देखने के लिए फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 25 करोड़ रुपए के बजट में बन रही ये फिल्म 15 अगस्त के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, ये फिल्म अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल ऑन सेकेंड स्पॉट' के साथ क्लैश करेगी। फिल्म के बजट से ही इसकी सफलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, जितने पैसे में ये फिल्म बनी है इतने पैसों में तो कम बजट की दो मूवी बनाई जा सकती है।

कल्कि 2898 एडी

कल्कि 2898 एडी, में भी दीपिका पादुकोण फैंस को सरप्राइज देने आ रही हैं। नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में दीपिका पहली बार प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 12 जनवरी को थियटर्स में दस्तक देगी। फिल्म का बजट आपका दिमाग भन्ना देने के लिए काफी है। बता दें दीपिका की ये मच अवेटेड फिल्म 600 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई है।

द इंटर्न

इसके अलावा द इंटर्न में दीपिका का अंदाज अलग दिखने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये फिल्म भी इसी साल रिलीज होने वाली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लीड रोल के साथ साथ दीपिका इसको प्रोड्यूस भी करने वाली हैं। अब इससे अच्छी बात क्या हो सकती है. इस फिल्म की प्लानिंग एक्ट्रेस ने 2021 में ऋषि कपूर के साथ बनाई थी।

SSMB 29

साउथ डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 को लेकर भी अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस फिल्म में भी दीपिका की एंट्री हो सकती है। हालांकि, ना इसका बजट सामने आया है ना ही कोई रिलीज डेट। लेकिन, अफवाहों की मानें तो फिल्म इसी साल के अंत तक रिलीज हो सकती है। वहीं, दीपिका के अलावा फिल्म में महेश बाबू, पूजा हेगड़े और श्रीलीला लीड रोम में दिखेंगे।

शादी से पहले ही संजय दत्त की बेटी त्रिशाला ने कर ली है मां बनने की प्लानिंग

संजय दत्त का नाम बॉलीवुड इंडस्ट्री के उन दिग्गज एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं, जो अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। एक्टर ने अपनी जिंदगी में बहुत ही उतार-चढ़ाव देखे हैं। वह तीन शादियां कर चुके हैं और उनके तीन बच्चे हैं। संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त बॉलीवुड के फेमस स्टार किड्स में से एक हैं। त्रिशाला दत्त भले ही बॉलीवुड फिल्मों से दूर हैं ,लेकिन वो सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती है। वो असकर पोस्ट शेयर कर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसके साथ ही वो फैंस से इंस्टाग्राम पर आस्क मी सेशन के जरिए बात भी करती हैं। इस बार भी त्रिशाला ने कुछ ऐसा ही किया। हालांकि इस दौरान त्रिशाला ने फैंस से अपने मां बनने की इच्छा जाहिर की है, जिसकी वजह से वो सुर्खियों में आ गई हैं।

मां बनना चाहती हैं त्रिशाला

यूं तो आस्क मी सेशन के दौरान त्रिशाला ने फैंस के कई सवालों के जवाब दिए हैं। हालांकि जिस जवाब ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा वो ये था जिसमें उन्होंने अपने मां बनने की इच्छा जाहिर की है। दरअसल आस्क मी सेशन के दौरान एक फैन ने संजय दत्त की बेटी त्रिशाला से सवाल पूछा कि क्या आप कभी बच्चे करना चाहोगी, इसको लेकर आपका क्या प्लान है, क्या आपने अपने दिमाग में कोई नाम सोचा है? इस पर त्रिशाला ने जवाब देते हुए पांडा की क्यूट सी फोटो के साथ में लिखा कि मैं बच्चा चाहती हूं और इसको लेकर प्लान भी है। वहीं इसके आगे त्रिशाला ने यह भी लिखा कि मैंने तो उनके लिए नाम भी सोच लिए हैं। अगर भगवान ने मेरे लिए यह सब प्लान किया होगा तो, मैं एक दिन जरुर मां बनूंगी। बता दें कि त्रिशाला 35 साल की हैं हालांकि वो अब तक कुंवारी हैं। फिलहाल उनका शादी करने का कोई प्लान है या नहीं ये तो नहीं पता, लेकिन हां वो मां बनने की प्लानिंग जरुर कर रही हैं। बता दें कि त्रिशाला संजय दत्त की पहली पत्नी ऋचा शर्मा की बेटी हैं। हालांकि त्रिशाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अकसर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर कर फैंस से जुड़ी रहती हैं।

पैरेंटिंग

किताबें पढ़ने से बच्चे में धैर्य, सोचने-समझने की क्षमता, लिखावट और स्मरण शक्ति का भी विकास होता है। इससे बच्चा खुद से कहानियां बनाना और लिखना भी सीखता है। किताबें पढ़ने से बच्चों में एकाग्रता बढ़ती है और नींद भी अच्छी आती है। इसलिए एक माता-पिता के रूप में आपको अपने बच्चे में किताब पढ़ने की आदत का विकास करना चाहिए। आप भी अपने बच्चों के लिए अपनाएं ये तरीका...

बच्चों में किताबों को पढ़ने की डालें आदत

किताबें पढ़ने की आदत से बच्चों को कई फायदे मिलते हैं। इससे बच्चों को सही ढंग से उच्चारण करने और शब्दों की समझ भी बढ़ती है। आज सबकुछ डिजिटल हो गया है। बैंक से लेकर पढ़ाई तक सब एक फोन में सिमटकर रह गया है। टेक्नोलॉजी के अपने फायदे हैं, तो उसके नुकसान भी हैं।

होमवर्क जरूर दें

बच्चों को साथ बैठकर पढ़ाएं, फिर रोज एक छोटा सा चैप्टर या पैराग्राफ पढ़ने को जरूर कहें। इससे उनमें खुद किताबों को पढ़ने की आदत डेवलेप होती है। साथ ही उन्हें सोते वक्त उस कहानी को सुनाने को कहें। इससे वह अपनी बात बेहतर ढंग से कह सकेंगे। इसके अलावा शब्दों की चयन क्षमता, बोलने की शैली और संवाद का तरीका भी बच्चे को आएगा।

इससे बच्चों में किताब पढ़ने की आदत लगभग खत्म होती जा रही है। बच्चे अपना ज्यादातर समय ऑनलाइन गेम या क्लास में लगा रहे हैं। ऐसे में उनकी भाषा, उच्चारण की समझ और शब्दों का ज्ञान सीमित होता जा रहा है, जो उनके लिए सही नहीं है। साथ ही किताबों से हमें सिर्फ जानकारी और ज्ञान ही नहीं मिलता है।

घर में पढ़ने-लिखने का माहौल बनाएं

बच्चे के लिए पहली पाठशाला उसका घर होता है और पहले शिक्षक उसके माता-पिता। अगर आप किताबें पढ़ते हैं, तो इस बात का अनुसरण आपके बच्चे भी करेंगे। उनमें भी किताब पढ़ने की रूचि पैदा होगी। इसलिए अपने घर में पढ़ने-लिखने का माहौल बनाएं। अगर आप अपने बिस्तर पर मोबाइल फोन की जगह किताबें पढ़ते हैं, तो बच्चा भी धीरे-धीरे यही आदतें सीखता है। किताबों को लेकर उसकी दिलचस्पी भी पैदा होती है। हालांकि आप अपने बच्चों को उम्र के हिसाब से ही किताबें पढ़ने दें ताकि उसमें उनका मन लगे।

नई-नई कहानियां बताएं

अपने बच्चे को किताबें पढ़ने के लिए जागरूक करने का सबसे सरल उपाय है कि आप उन्हें नई-नई कहानियां बताएं और गीता-रामायण की भी कुछ दिलचस्प कहानियां सुनाएं ताकि बच्चे बुक पढ़ने को लेकर उत्साहित हो। जैसे- जब आप अपने बच्चे को खरगोश और कछुए की कहानी सुनाते है, तो उनके सामने किताब खोलकर रखे ताकि वह चित्रों के माध्यम से किताब को पढ़ने की आदत बना सके। इसके अलावा उन्हें हमेशा कहानी सुनाने को भी कहें। इसकी मदद से बच्चे किसी भी चीज को ज्यादा समय तक याद करके रखते हैं।

बच्चे के साथ किताब पढ़ें

कई बार हम बच्चों को किताब पढ़ने के लिए अतिरिक्त दबाव बनाते हैं। ऐसा करने की बजाय आप बच्चे के साथ में किताब पढ़ें। इससे उन्हें पढ़ने में भी मन लगेगा और उनमें किताबों को लेकर उत्साह पैदा होगा। अगर आपके एक दिन उनके साथ कोई कहानी पढ़ते हैं, तो अगले दिन वह खुद किताब लेकर आते हैं कि दूसरी कहानी पढ़ना शुरू कर देते हैं। इस एक्टिविटी की मदद से आप अपने बच्चे के साथ भी ज्यादा समय बीताते हैं। उन्हें किताबें पढ़ने में भी मजा आता है।

लाइब्रेरी जरूर ले जाएं

अपने बच्चे में किताब पढ़ने की आदत डालने के लिए आप उन्हें लाइब्रेरी में जरूर ले जाएं। लाइब्रेरी एक ऐसी जगह है, जहां बच्चा अपनी मनपसंद किताब पढ़ सकता है। लाइब्रेरी में कुछ देर आप भी कोई किताब पढ़ सकते हैं और बच्चे को भी अपनी मनपसंद किताब पढ़ने के लिए कह सकते हैं। किताबों को पढ़ने से वह अपने आपको किसी के सामने बेहतर ढंग से एक्सप्रेस कर पाते हैं।

कुछ चीजों से बच्चे को रखें दूर

- बच्चे के सामने मोबाइल को साइलेंट या ऑफ करके रखे ताकि फोन बजने पर उनका ध्यान भंग न हो।
- बैठने की पोजीशन सही हो। कई बार हम बच्चों को गलत तरीके से बैठकर पढ़ रहे होते हैं, जिसकी वजह से वह जल्दी थक जाते हैं।
- छोटे-छोटे टारगेट सेट करे। बच्चों को एक दिन में बहुत अधिक पढ़ने के लिए फोर्स न करें।
- किताब पढ़ते वक्त हमेशा बच्चे को भी कहानी दोहराने को कहें। इससे उनका उच्चारण भी सही होता है और बोलेने की झिझक भी दूर होती है।
- बच्चे को हमेशा किताबें पढ़ने को लेकर जिज्ञासु बनाए।

फैशन

अलग-अलग स्टाइल और डिजाइन के स्वेटर

सर्दियों में स्वेटर तो सभी पहनते हैं। जिसमे अलग-अलग स्टाइल और डिजाइन शामिल होती है। लेकिन बात इन सारे स्वेटर के डिजाइन के नाम की आती है तो बहुत ही कम लड़कियों को इसकी जानकारी होती है। अलग-अलग डिजाइन में आने वाले इन स्वेटर के नाम भी खास होते हैं। अगर आपने भी अभी तक केवल टर्टल नेक स्वेटर या कार्डिगन के बारे में ही सुना है तो जान लें स्वेटर के इतने सारे टाइप होते हैं। आज हम बताने जा रहे है इन सारे स्वेटर के नाम और डिजाइन।

कार्डिगन

कार्डिगन स्वेटर के बारे में तो आप जानती ही होंगी। ज्यादातर मम्मियां इस तरह के स्वेटर को पहनना पसंद करती हैं। सिंपल से फ्रंट बटन वाले और फुल स्लीव वाले इन स्वेटर का ट्रेंड कभी भी खत्म नही होता है। हालांकि इन कार्डिगन में भी बहुत सारे डिजाइन आते हैं।

टर्टल नेक

दीपिका पादुकोण को पिछले कुछ दिनों से टर्टल नेक स्वेटर में देखा जा रहा है। जिसके बाद से ये लड़कियों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। इस तरह के स्वेटर में गर्दन में पूरी तरह से कवर होता है और ये नीचे की तरफ फोल्ड होता है। टर्टलनेक स्वेटर को ही रोल नेक स्वेटर और पोलो नेक भी कहा जाता है।

पुलओवर स्वेटर

राउंड नेक वाले ये स्वेटर सर्दियों में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इसमे कोई बटन नहीं लगा होता है और ये जींस वगैरह के साथ काफी क्लासी लुक देते हैं। वहीं ठंड से बचाने में भी ये कामयाब रहते हैं।

क्रू नेक स्वेटर

क्रू नेक स्वेटर गोल नेकलाइन और बिना कॉलर के होते हैं। इनकी डिजाइन इसे कैजुअल लुक देने के साथ ही काफी आरामदेह भी बनाते हैं। क्रू नेक स्वेटर को आप फॉर्मल लुक में आसानी से कैरी कर सकती हैं।

शहर में रही मकर संक्रांति की धूम

महिलाओं ने खेली कबड्डी, मंत्री-विधायक-महापौर ने उड़ाई पतंग, विजयवर्गीय ने किया उत्साहवर्धन

इंदौर। रविवार को मकर संक्रांति की धूम सुबह रही। परम्परागत पतंगबाजी, गिल्ली डण्डा, सितौलिया खेलों का दौर दिनभर चलता रहा। आसमान में रंग-बिरंगी खूबसूरत पतंगें उड़ाई जा रही है। इस अवसर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बाणगंगा क्षेत्र में आयोजित परम्परागत खेलों के कार्यक्रम में उत्साहित नजर आए। उनके सामने महिलाओं ने कबड्डी खेली तो विजयवर्गीय ने रस्सीखींच प्रतियोगिता में दोनों दलों का मनोबल बढ़ाया।

आकाश विजयवर्गीय ने किया उत्साहवर्धन- कैलाश विजयवर्गीय के साथ पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय भी थे। उन्होंने सनातन धर्म व परम्परागत खेलों के महत्व को बताते हुए लोगों का उत्साहवर्धन किया। इस बार भी सबसे ज्यादा पतंगबाजी पश्चिम क्षेत्र में हैं। रविवार सुबह 9 बजे ही दशहरा मैदान में बच्चों ने पतंगबाजी शुरू कर दी थी। इसके साथ ही दूसरे खेल भी खेलना शुरू किया।

यह नेता रहे मौजूद- यहां पतंगबाजी महोत्सव में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, मेयर पुष्यमित्र भार्गव,प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा विधायक मधु वर्मा, पूर्व विधायक जीतू जिराती, सुदर्शन गुप्ता, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला सहित कई जनप्रतिधि उपस्थित थे। इस दौरान सभी ने संक्रांति शुभकामनाएं दी।

मेयर की पहल से परिवर्तन- यहां आयोजित कार्यक्रम में मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि आज का दिन सकारात्मक क्रांति का है ।आज से ही समाज में शुभ कार्य शुरू होते हैं व सूर्य नई ऊर्जा के साथ क्रांति परिवर्तन लाती है। तुलसीराम सिलावट ने कहा कि देशी खेल अब देखने को नहीं मिलते लेकिन मेयर की इस पहल से नया परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने कहा कि सालों से हम जिस बात को सुनते आए हैं वो आज पूरा होने जा रहा है। भगवान राम अपने घर में विराजमान होने जा रहे है इसलिए सभी को अपने घरों में कम से दस दीपक लगाकर त्यौहार का तरह इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनना है। साथ ही यथा संभव हो वह करना है। कार्यक्रम के बाद सभी ने पतंगबाजी का आनंद लिया।

मेयर ने आजमाए हाथ- मेयर ने नीबू रैस और मटकी फोड़ में भी हाथ आजमाए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राम लीला का मंचन था जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। महिलाओं के द्वारा कुमकुम हल्दी का आयोजन भी देर शाम तक जारी रहा।

ठेकेदार की लापरवाही से चली गई मजदूर की जान

इंदौर । गौतमपुरा पुलिस ने एक ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। एक मजदूर परिवार से उसने लापरवाही पूर्वक कॉलोनी में काम करवाया। यहां हाई टेंशन लाइन की चपेट में पिता-पुत्र आ गए, जिसमें पिता की मौत हो गई। गौतमपुरा थाने में फरियादी ईश्वर पिता चैन सिंह की शिकायत पर इंजीनियर ठेकेदार अमित यादव निवासी आजमगढ़ हाल मुकाम जानकी नगर कॉलोनी गौतमपुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। फरियादी ईश्वर ने पुलिस को बताया कि लगभग एक माह पहले आरोपी ठेकेदार अमित यादव उनके घर आया और बोला कि कॉलोनी में घास उखाड?ा है। चलकर घास उखाड़ दो, ईश्वर उसके पिता चैन सिंह भील, मां लुड़की बाई और पड़ोस में रहने वाली बुआ नानी बाई सभी काम के लिए चले गए। वह जानकी नगर कॉलोनी में घास उखाड़ रहे थे, तभी ठेकेदार अमित ने ईश्वर और उसके पिता चैन सिंह से कहा कि पास में रखे लोहे के सरियों को उठाकर दूसरी तरफ रख दो। दोनों पिता-पुत्र लोहे के सरिया उठाकर ले जाने लगे वहीं से हाई टेंशन लाइन गुजर रही थी। हाई टेंशन लाइन की चपेट में लोहे का सरिया आ गया। जिसकी वजह से दोनों पिता-पुत्र भी करंट की चपेट में आ गए। इलाज के दौरान चैन सिंह की मौत हो गई। इधर ईश्वर का अभी भी इलाज जारी है, पुलिस ने माना कि इंजीनियर ठेकेदार अमित यादव ने लापरवाही पूर्वक पिता पुत्र से काम करवाया था जिसकी वजह से पिता की जान गई है।

तीन थानों में आधा दर्जन चोर पकड़ाए, कई वारदातों का खुलासा

पलासिया, तिलकनगर और मल्हारगंज पुलिस की कार्रवाई

इंदौर । पलासिया पुलिस ने 24 घंटे पहले हुई एक चोरी के मामले में वारदात का खुलासा किया है। इस मामले में फुटेज के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया है। वहीं तिलक नगर में भी एक दिन पहले प्रयास अपार्टमेंट के दो फ्लेट में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने चोर को पकड़कर माल जब्त किया है। मल्हारगंज पुलिस ने भी तीन चोरों को गिरफ्तार कर वारदातों का खुलासा किया है।

टीआई जगदीश जमरे के मुताबिक लाला राम नगर में शशिकला के यहां चोरी की वारदात हो गई। इस मामले में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले। पुलिस ने आरोपी की पहचान लखन पुत्र अनूप हंसारिया को पकड़ा है। आरोपी के पास से चोरी के पास से करीब 3 लाख रुपए कीमत का माल जब्त किया गया है।

अपार्टमेंट के दो फ्लैट में की थी चोरी- तिलक नगर पुलिस ने ब्रजेश्वरी एक्स के प्रयास अपार्टमेंट में गौरांग सोनी और अक्षय नागौरी के यहां चोरी करने के मामले में खजराना के दीपक पुत्र प्रकाश फरकले को पकड़ा है। आरोपी के पास से अपार्टमेंट की दो चोरी और खजराना इलाके की एक चोरी के मामले में जानकारी लगी है। आरोपी के फुटेज पुलिस को मिले थे। इसके बाद पुलिस ने उसकी पहचान कर कार्रवाई कर दी।

मल्हारगंज पुलिस ने भी पकड़े चोर- मल्हारगंज पुलिस ने भी अंश सोनी निवासी रामचंद्र नगर के यहां चोरी करने के मामले में जीतू पुत्र मंगल बघेल निवासी नंदबाग कॉलोनी, अंकित पुत्र गोवर्धन परमार और उसके अन्य साथी को पकड़ा है। आरोपी अंश के यहां घुसकर चोरी कर रहे थे। इधर, पकड़ाने के बाद उनके यहां से सुनीता फकरिया के यहां हुई चोरी के जेवर मिले।

गैंगस्टर ने धमकी दी, पुलिस ने एक शूटर को पकड़ा

इंदौर । विधानसभा चुनाव से सक्रिय गैंगस्टर ने हिंदू संगठन से जुड़े एक व्यक्ति को धमकी दी है। आरोपी गोली मारने की धमकी देकर प्लाट मांग रहा था। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने गुंडे के साथी शूटर को तो पकड़ लिया, लेकिन वह फरार हो गया।

एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक द्वारकापुरी निवासी प्रकाश सेजवानी से प्लाट को लेकर विवाद चल रहा था। तीन दिन पूर्व गैंगस्टर सतीश भाऊ ने प्रकाश को धमकाया। काल तो उसके साथी रवि चिकलिस का फोन लगा, लेकिन बात गैंगस्टर ने की। उसने एक प्लाट की मांग की और जान से मारने की धमकी दी। प्रकाश हिंदू संगठन से जुड़े हैं। क्राइम ब्रांच में शिकायत की गई।

डीसीपी ने टीम गठित की- डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के छुट्टी पर होने के कारण प्रभार जोन-1 के डीसीपी आदित्य मिश्रा के पास है। डीसीपी ने टीम गठित कर तलाश शुरू करवा दी। फरियादी के मार्फत सतीश को बुलाया, लेकिन वह रवि को लेकर फरार हो गया। साइबर सेल ने तकनीकी जानकारी निकाल कर सतीश गिरोह के शूटर गब्बर चिकना को पकड़ लिया। जयहिंद नगर निवासी गब्बर उर्फ कैलाश विजय सिंह को केस दर्ज कर जेल भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक सतीश भाजपा नेताओं के संपर्क में है। विधायक समर्थक राजेश के माध्यम से फरियादी की एफआइआर रोक ली।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्प्लेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)